भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1444

15 मार्च, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष आहार योजना

1444. श्री सतीश चंद्र दुबे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पौष्टिक आहार और एक स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने हेतु 'आयुष आहार योजना' की शुरूआत की है, और उक्त योजना की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं;

(ख) क्या सरकार इसे आम लोगों के लिए भी शुरू करने का विचार रखती है और यदि हां, तो कब तक; और

(ग) सरकार द्वारा आम लोगों की उनकी जीवन शैली में मदद करने हेतु कौन-कौन से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): 'आयुष आहार योजना' के नाम से कोई योजना आयुष मंत्रालय द्वारा आरंभ नहीं की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा पोषण माह और पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आयुष मंत्रालय ने अपने राष्ट्रीय संस्थानों/अनुसंधान परिषदों के माध्यम से इस आयोजन में भाग लिया और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी आयुष विभागों से इस आयोजन में भाग लेने का अनुरोध भी किया।

(ख): 'आयुष आहार योजना' का कोई प्रस्ताव विचारार्थ नहीं है। तथापि, मंत्रालय 'सुपोषित भारत' (नरिश्ड इंडिया) के लक्ष्य सहित आयुष आधारित आहार और जीवनशैली के सिद्धांतों पर पोषण अभियान (न्यूट्रीशन कैंपेन) में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ मिलकर भाग ले रहा है।

(ग): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को आयुष स्वास्थ्य और वैलनेस केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के प्रचालन सहित विभिन्न कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। आयुष एचडब्ल्यूसी में, आयुर्वेद सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के सिद्धांतों और अभ्यासों पर आधारित एक समग्र वैलनेस मॉडल स्थापित किया जा रहा है जिसमें जीवनशैली संबंधी रोगों के उपचार सहित निवारक, संवर्धनात्मक, उपचारात्मक और पुनर्वासी परिचर्या पर बल दिया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, आयुष ग्राम के अंतर्गत, आयुष जीवनशैली और स्वास्थ्य परिचर्या के उपचारों के सिद्धांतों और अभ्यासों को अपनाने के लिए गांवों को चुना जाता है। व्यवहार परिर्वतन संचार, स्थानीय औषधीय जड़ी-बूटियों की पहचान और प्रयोग के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और आयुष स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के माध्यम से आयुष आधारित जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा रहा है।

*****